<u>अज अदालत नायब तहसीलदार जालोर</u>

सरकार जरिये पटवारी हल्का ......नरसाणा...... बनाम ......महिपालसिंह...... पुत्र ......आलमसिंह......
जाति ......राजपूत...... निवासी ......नरसाणा...... मुकदमा नम्बर 57/2017
अन्तर्गत धारा 91 आर एल आर एक्ट 1956

<u>निर्णय</u>

दिनांक ......30-1-2018......

पत्रावली पेश हुई। गैर सायल हाजिर। जो किसी भी प्रकार का साक्षी/सबूत प्रस्तुत करना नही चाहता है। अतः गैर सायल की सहादत बंद की जाती है।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। मामले में तथ्य इस प्रकार है कि पटवारी हल्का ......नरसाणा...... द्वारा संवत् ......2074...... की रिपोर्ट पेश कर जाहिर किया गया है कि गैर सायल द्वारा मौजा ......नरसाणा...... के खसरा न. ......872/52...... रकबा ......0.08...... है0, किस्म ......गै0मु0गोचर...... पर नाजायज तौर से अतिक्रमण कर ......बाड़ा...... बनाया है। रिपोर्ट के आधार पर मामला धारा 91 आर एल आर 1956 के तहत् दर्ज रजिस्टर कर गैर सायल को धारा 91(3) के तहत् नोटिस तलब किया गया । सुनवाई के दौरान गैर सायल की और से किसी भी प्रकार का साक्ष्य सबूत पेश करना नही चाहता है। उक्त आराजी का अतिक्रमी घोषित किया जाकर भौतिक रूप से बेदखली का आदेश दिया जाता है। वार्षिक लगान ......0.40...... रूपये का 50 गुणा जुर्माना अंको में ......20/-...... रूपये अक्षरे ......बीस रुपये...... बतोर गैर सायल पर आरोपित किया जाते है। पटवारी हल्का को वसूली एवं भौतिक रूप से बेदखली करने हेतु लिखा जावें एवं जुर्माना मांग रा.ले. सं 4 में दर्ज करायी जावे मिसल बाद तामिल फैसला सुंमार होकर नम्बर से कम दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक ......30-1-2018...... को सरे इजलास सुनाया गया।

नायब तहसीलदार जालोर

नायब तहसीलदार जालोर

(पुखराज मीणा)